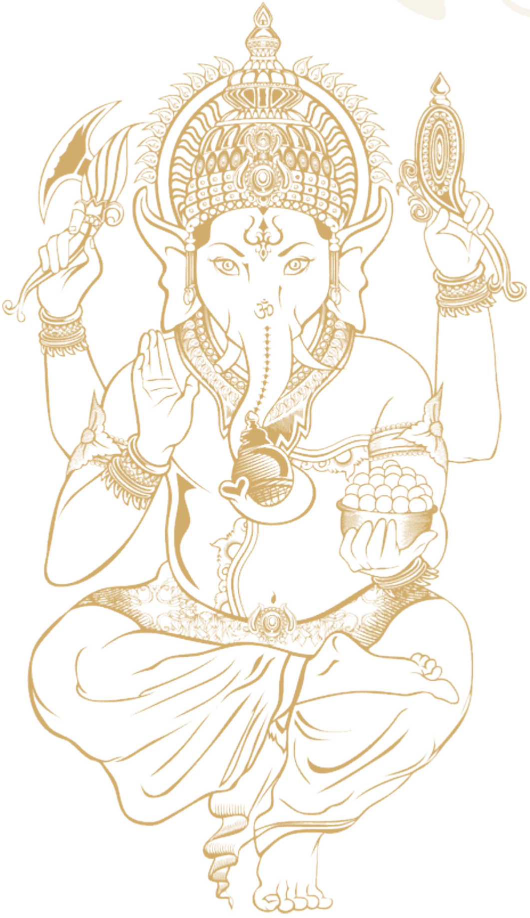

Pravin

Shweta

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121645501

Order No: 121645501 Date: 19/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/07/1993	जन्म तिथि	19-20/02/1996
रविवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 06:40:00	जन्म समय	05:30:00 घंटे
घटी 01:49:31	जन्म समय(घटी)	55:57:06 घटी
India	देश	India
Beawar	स्थान	Sojat River
26:02:00 उत्तर	अक्षांश	25:53:00 उत्तर
74:02:00 पूर्व	रेखांश	73:45:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:33:52	स्थानिक संस्कार	-00:35:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:56:11	सूर्योदय	07:08:08
19:24:37	सूर्यास्त	18:30:00
23:46:19	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:18
कर्क	लग्न	मकर
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	शनि
कन्या	राशि	कुम्भ
बुध	राशि-स्वामी	शनि
चित्रा	नक्षत्र	पू०भाद्रपद
मंगल	नक्षत्र स्वामी	गुरु
1	चरण	1
सिद्ध	योग	सिद्ध
गर	करण	बालव
पे-पेशवा	जन्म नामाक्षर	से-सेविका
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
वैश्य	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
व्याघ्र	योनि	सिंह
राक्षस	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	आद्य
मूषक	वर्ग	मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	
मंगल 6वर्ष 8मा 7दि	
गुरु	
01/04/2018	
01/04/2034	
गुरु	20/05/2020
शनि	01/12/2022
बुध	08/03/2025
केतु	12/02/2026
शुक्र	13/10/2028
सूर्य	01/08/2029
चन्द्र	01/12/2030
मंगल	07/11/2031
राहु	01/04/2034

अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश
16:57:20	कर्क		लग्न		मक	06:46:34
08:21:01	कर्क		सूर्य		कुंभ	06:49:30
23:55:54	कन्या		चंद्र		कुंभ	20:45:15
25:04:15	सिंह		मंगल		कुंभ	09:45:33
24:24:29	मिथु	व	बुध		मक	12:07:42
14:59:01	कन्या		गुरु		धनु	16:10:51
27:15:30	वृष		शुक्र		मीन	18:59:04
05:01:43	कुंभ	व	शनि		मीन	00:24:12
17:05:57	वृश्चि	व	राहु	व	कन्या	24:13:24
17:05:57	वृष	व	केतु	व	मीन	24:13:24
25:56:22	धनु	व	हर्ष		मक	08:25:09
25:38:52	धनु	व	नेप		मक	02:42:21
28:58:13	तुला	व	प्लूटो		वृश्चि	09:14:44

विंशोत्तरी	
गुरु 15वर्ष 1मा 4दि	
शनि	
26/03/2011	
26/03/2030	
शनि	29/03/2014
बुध	06/12/2016
केतु	15/01/2018
शुक्र	16/03/2021
सूर्य	26/02/2022
चन्द्र	28/09/2023
मंगल	06/11/2024
राहु	13/09/2027
गुरु	26/03/2030

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:46:19 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:18

लग्न-चलित

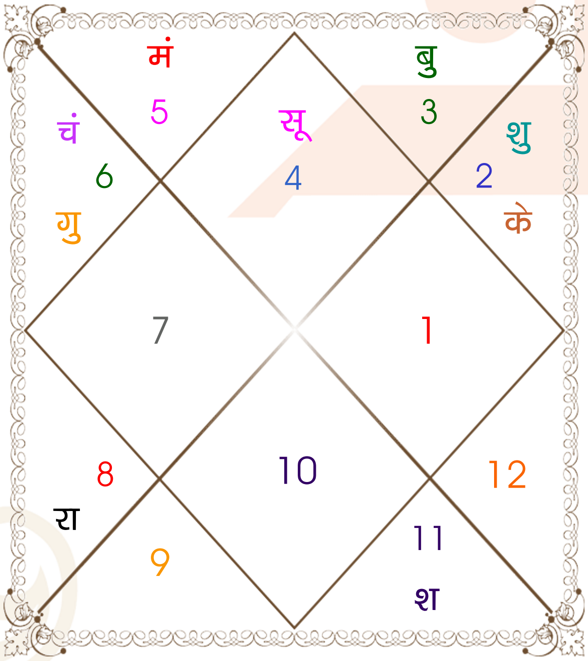

लग्न-चलित

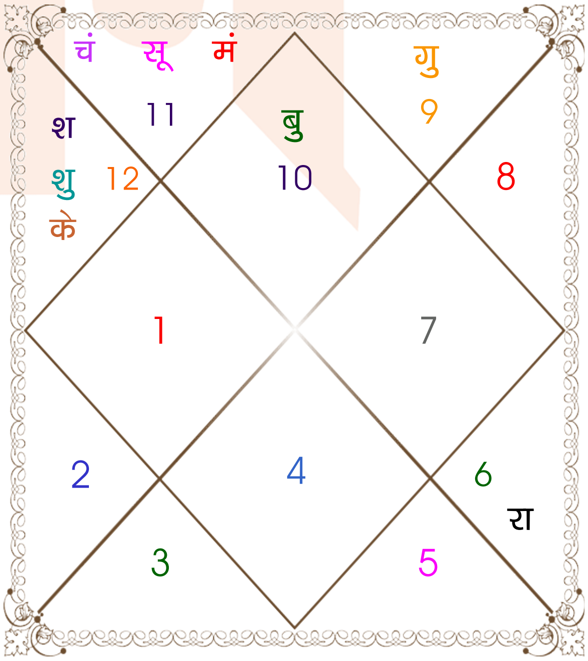

FUTUREPOINT Astro Solutions

एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

कुल : **18.5 / 36**

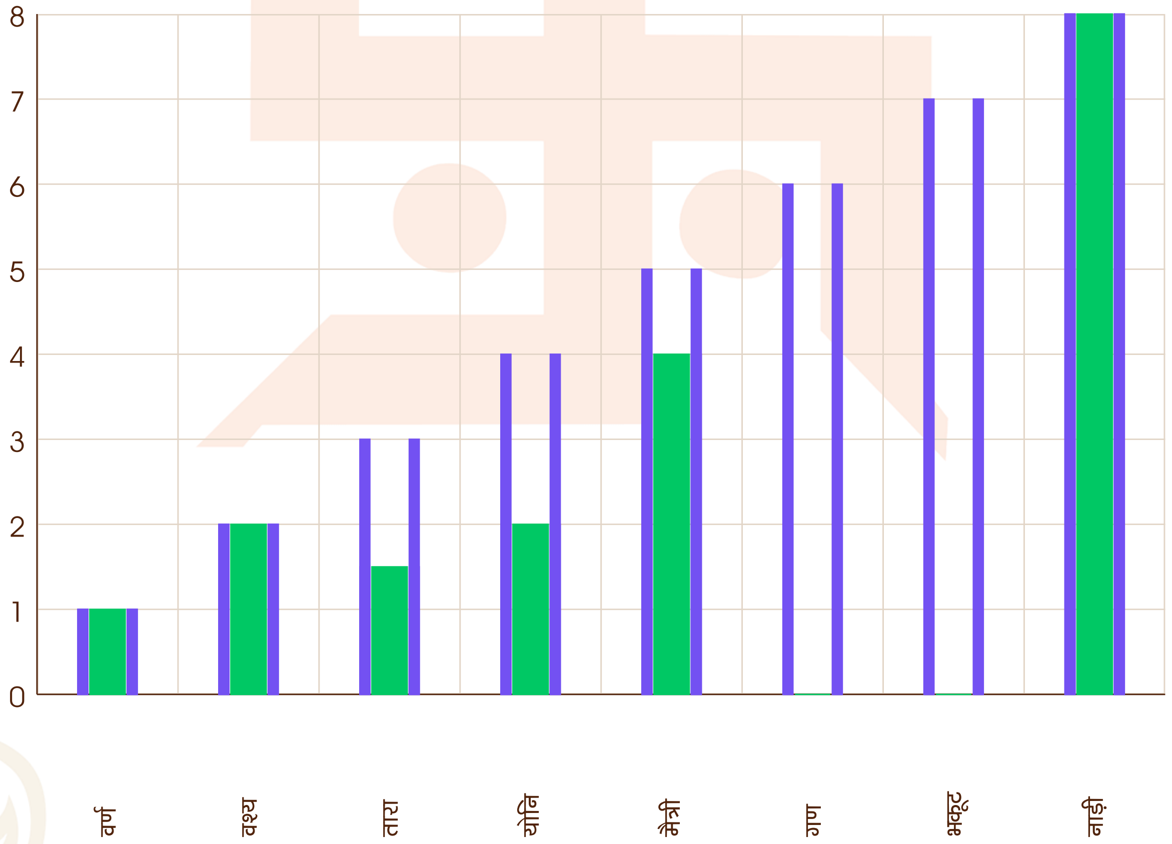

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Pravin का वर्ग मूषक है तथा ैूमजं का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Pravin और ैूमजं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Pravin मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

ैूमजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Pravin तथा ैूमजं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Pravin का वर्ण वैश्य है तथा ीूमजं का वर्ण शूद्र है। इसमें ीूमजं का वर्ण Pravin के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप ीूमजं अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए ीूमजं हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

Pravin का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं ीूमजं का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Pravin एवं ीूमजं दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Pravin की तारा मित्र तथा ीूमजं की तारा विपत है। ीूमजं की तारा विपत होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। यह मिलान Pravin एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्य एवं नुकसान का कारण बन सकता है। परन्तु कड़े एवं लगातार प्रयासों के बाद परिणाम सुखदायी हो सकता है। संभव है कि ीूमजं का रुख सहयोगात्मक नहीं हो तथा आपसी विश्वास, प्रेम एवं समझ की कमी बनी रहे। अक्सर पति एवं पत्नी के बीच संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े रह सकते हैं तथा बच्चे भी इसका गलत फायदा उठायेंगे। जिसके कारण संभव है कि बच्चे योग्य एवं आज्ञाकारी नहीं हों।

योनि

Pravin की योनि व्याघ्र है तथा ीूमजं की योनि सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में

दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Pravin का राशि स्वामी ॅूमजं के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि ॅूमजं का राशिस्वामी Pravin के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Pravin का गण राक्षस है तथा ॅूमजं का गण मनुष्य है। अर्थात ॅूमजं का गण Pravin के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

Pravin से ॅूमजं की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा ॅूमजं से Pravin की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण Pravin लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। ॅूमजं को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

Pravin की नाड़ी मध्य है तथा ैूमजं की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Pravin की जन्म राशि पृथ्वीतत्व युक्त कन्या तथा ैूमजं की राशि वायु तत्व युक्त कुम्भ राशि है। नैसर्गिक रूप से पृथ्वी एवं अग्नितत्व में असमानता एवं शत्रुता का भाव रहता है। अतः Pravin और ैूमजं के मध्य स्वभावगत विषमताएं होगी जिससे दाम्पत्य संबधों में तनाव रहेगा। अतः यह मिलान सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा।

Pravin की जन्म राशि का स्वामी बुध तथा ैूमजं की राशि का स्वामी शनि परस्पर सम एवं मित्र राशियों में स्थित है। अतः गृहस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए यह ग्रह स्थिति सामान्यतया अच्छी रहेगी। इसके प्रभाव से Pravin और ैूमजं के मध्य स्नेह सहयोग सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा एक दूसरे को सुख दुख में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही सदगुणों की परस्पर प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। अतः Pravin और ैूमजं का दाम्पत्य जीवन सामान्यतया सुखमय रहेगा।

Pravin और ैूमजं की राशियां परस्पर षडाष्टक भावों में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना गया है। इसके प्रभाव से Pravin और ैूमजं के मध्य अनावश्यक मतभेद तथा विवाद रहेंगे जिससे संबधों में तनाव उत्पन्न होगा। साथ ही अनावश्यक क्रोध के प्रदर्शन एवं एक दूसरे की आलोचना भी वातावरण को प्रतिकूल बनाएगी। इस योग में Pravin और ैूमजं एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर अधिक ध्यान देंगे जिससे स्थिति प्रतिकूल रहेगी। अतः Pravin और ैूमजं को बुद्धिमता पूर्वक आपसी व्यवहार सम्पन्न करना चाहिए।

Pravin और ैूमजं दोनों का वश्य मानव है। अतः इनकी स्वभावगत अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी समान रहेंगी फलतः दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में समर्थ होंगे। इससे उपरोक्त प्रभावों में न्यूनता आएगी।

Pravin का वर्ण वैश्य तथा ैूमजं का वर्ण शूद्र है। अतः इनकी कार्य क्षमताएं अनुकूल रहेंगी। Pravin धनार्जन संबधी कार्यो में रूचिशील होंगे परन्तु ैूमजं ईमानदारी तथा परिश्रम से किसी भी कार्य को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी जिससे कार्य क्षेत्र सुदृढ़ रहेंगे।

धन

Pravin और ैूमजं दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Pravin की नाड़ी मध्य तथा ँूमजं की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों का जन्म अलग अलग नाड़ियों में होने के कारण यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके शुभ प्रभाव से अपने सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को यथा समय सम्पन्न करने में वे समर्थ होंगे जिससे दाम्पत्य जीवन की खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी तथा समय भी सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। साथ ही मंगल का भी किसी के स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः दोनों स्वस्थ तथा प्रसन्नचित रहकर अपना जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे।

संतान

संतति की दृष्टि से Pravin और ँूमजं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Pravin और ँूमजं को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Pravin और ँूमजं के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

ँूमजं का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः ँूमजं के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार ँूमजं सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Pravin और ँूमजं को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Pravin और ँूमजं का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

ँूमजं के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि ँूमजं धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से ँूमजं के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं

सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी ीमजं का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी ीमजं से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Pravin के सास के साथ सामान्यतया अच्छे ही संबध रहेंगे तथा उनके प्रति इनके मन में सम्मान तथा आदर का भाव सर्वदा विद्यमान रहेगा। सास को वह माता के समान समझेंगे तथा वह भी उन्हें पुत्रवत स्नेह तथा सहयोग प्रदान करेंगी । साथ ही Pravin भी समय समय पर ससुराल में आते जाते रहेंगे तथा आपस में श्रेष्ठता के भाव की हमेशा न्यूनता रहेगी।

लेकिन ससुर के साथ में सामान्यतया संबधों में तनाव रहेगा तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण वैचारिक मतभेद भी रहेंगे परन्तु यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी Pravin के संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की न्यूनता रहेगी एवं प्रतिद्वन्दिता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Pravin के प्रति विशेष उल्लेखनीय नहीं रहेगा।